दाता एक राम | By Kumaar Deepak

दाता नहीं श्री राम के जैसा
और सेवक नहीं है हनुमान के जैसा

आँख उठा कर देखा जग में, सारा जगत भिखारी
काम क्रोध मद मोह लोभ में, लिपटे नर और नारी
पाप नहीं कोई अभिमान के जैसा
दाता नहीं श्री राम के जैसा

पढ़ कर देखो रामायण बस एक ही बात सिखाये
वो नर पार तर जाए जो अपना फ़र्ज़ निभाए
धर्म नहीं मानव सम्मान के जैसा
दाता नहीं श्री राम के जैसा

सुख चाहो तो सुमिरन कर लो राम प्रभु का प्यारे
संजू एक दिन जाना होगा सबको हाथ पसारे
तप नहीं हरी के गुणगान के जैसा
दाता नहीं श्री राम के जैसा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-kumaar-deepak/